संख्या- 64 /2019/828/24-1-19-1868(बजट)/2018

प्रेषक:

आनन्द कुमार त्रिपाठी,
अनु सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0,
शक्ति भवन, लखनऊ।

ऊर्जा अनुभाग-1 **लखनऊ : दिनांक 23 अप्रैल, 2019**

विषय-वित्तीय वर्ष 2019-20 में 33/11 के0वी0 सब स्टेशनों पर कैपेसिटर बैंक की स्थापना हेतु प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक (वित्त), उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 के पत्र संख्या-447/मु0म0प्र0(वित्त)/वि0प्र0-2/आय-व्ययक/2019-20/374 टीसी, दिनांक 04 अप्रैल, 2019 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में 33/11 के0वी0 सब स्टेशनों पर कैपेसिटर बैंक की स्थापना हेतु कुल प्राविधानित धनराशि रूपये 200,00,00,000/- (रूपये दो सौ करोड़ मात्र) में से धनराशि रूपये 100,00,00,000/- (रूपये एक सौ करोड़ मात्र) स्वीकृत कर आहरित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष अनुमति प्रदान करते है।

2- उक्त प्रस्तर में स्वीकृत धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकता होने पर माह अप्रैल, 2019 एवं माह जून, 2019 में धनराशि रूपये 50,00,00,000/- (रूपये पचास करोड़ मात्र) की दो समान मासिक किश्तों में किया जायेगा।

3- प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि को आवश्यकता होने पर आहरित किया जायेगा तथा जिस मद में धनराशि रूवीकृत की गयी है उसी मद में खर्च किया जायेगा।

4- प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि के आहरण हेतु कारपोरेशन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 के प्रपत्र संख्या-42जी/शुद्ध पत्र संख्या-426, दिनांक 13-जुलाई, 1971 द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर बिल बनाकर प्रतिहस्ताक्षर हेतु ऊर्जा अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर व्यय की गयी धनराशि का सम्पूर्ण विवरण यथा कोषागार का नाम जहाँ से धनराशि आहरित की गयी है, बाउचर संख्या, आहरण की तिथि, लेखाशीर्षक आदि तथा आहरित धनराशि के संबंध में उपयोगिता प्रमाण-पत्र महालेखाकार, उत्तर प्रदेश प्रयागराज/ लखनऊ और ऊर्जा विभाग/ वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को नियमानुसार उपलब्ध कराने की बाध्यता होगी।

http://shasanadesh.up.nic.in

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में अन्य मदों में नहीं किया जायेगा।

7- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग उन्हीं कार्यों के लिए हो, जो संबंधित डिस्काम्स द्वारा अपरिहार्य रूप से कराये जाने हो तथा जिनकी तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त कर ली गयी हो।

8- इस शासनादेश में निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन निदेशक (वित्त), उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

9- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के अनुदान संख्या-9 के लेखाशीर्षक "4801-बिजली परियोजनाओं पर पूँजीगत परिव्यय-06-ग्रामीण विद्युतीकरण-190- सार्वजनिक क्षेत्र के तथा अन्य उपक्रमों में निवेश-09-33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों पर कैपेसिटर बैक्स की स्थापना (के.75/रा.25-रा.)-30-निवेश/ऋण " के नामे डाला जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-ई-10-151/दस-2019, दिनांक 18 अप्रैल, 2019 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय,

आनन्द कुमार त्रिपाठी
अनु सचिव।

संख्या- 64 /2019/828(1)/24-1-19, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार, (लेखा एव हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 सरोजनी नायडू मार्ग, प्रयागराज 211001।
2- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) प्रथम उ0प्र0 सरोजनी नायडू मार्ग, प्रयागराज 211001।
3- महालेखाकार, (आर्थिक एवं राजस्व लेखा परीक्षा), उ0प्र0, छठवां तल केन्द्रीय भवन, सेक्टर-एच, अलीगंज लखनऊ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, लखनऊ।
5- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-10/राज्य योजना अनुभाग-1/गार्ड बुक।

आज्ञा से,

आनन्द कुमार त्रिपाठी
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in